आज का पुरुषार्थ 6 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज याद रखेंगे .. हम भगवान के मददगार बच्चे है .. बाबा हमें खुशियाँ बाँटने के लिए यह अवसर दिए है "*

बाबा ने हमें **सर्वश्रेष्ठ खुशियों का खजाना दिया है।** क्योंकि अगर हम खुश रहते है तो हमारे अनेक व्यर्थ संकल्प समाप्त हो जाते है।

खुशी से ब्रेन को बहुत सुन्दर वायब्रेशन्स जाते है। जिससे मनुष्य हैल्दी भी रहता है। और जो खुश है उनके घर में लक्ष्मी का वास भी होता है।

जो खुश है, **सफलता** भी उनको सहज मिल जाती है। और हमारी **खुशी** की झलक तो दुसरों को यह मेहसूस करायेगी कि इन्हें सचमुच कोई महान प्राप्ति हो गई है।

संसार में आज खुश रहना बहुत कठिन होता जा रहा है। जैसे और सब महंगाई बढ़ रही है वैसे खुशी भी महंगी होती जा रही है। परिवार में अपने ही अपनों की खुशी छीन रही है।

कर्मक्षेत्र पर भी मनुष्य खुश नहीं रह पाता है। इसलिए खुशी और मनोरंजन के मनुष्य ने अनेक प्रकार के स्थूल साधन बनायें है। परन्तु आन्तरिक खुशी का फिर भी अभाव है।

हम सभी तो संसार में सबसे अधिक खुशनसीब है। भगवान का साथ मिला इस जीवन में। **याद रखे सारा दिन** ...

कार्य करने मिला भगवान के साथ। उसने **महान कार्य** दे दिया विश्वकल्याण का। अपना साथी बना लिया।

सवेरे उठते ही भगवान से **मिलन** होता है। पढ़ते है तो स्वयं भगवान पढ़ाने आते है। सोचो हम भोजन भी भगवान के लिए बनाते है। वह स्वयं हमारे सामने आ जाते है उस भोजन स्वीकार करने के लिए। हम जैसा **भाग्यवान** कोई होगा।

सारा दिन हम कार्य करते है तो अकेले नहीं करते। स्वयं भगवान हमारी **छत्रछाया** बनकर हमारे साथ रहते है। तो हम **खुशियों** के खजाने से स्वयं को भरपूर करे।

स्मृति में रखे ... क्या मिला है!

और सारा दिन रोज़ ... क्या क्या मिलता है?

बाबा ने कहा ... " *तुम जैसे भाग्यवान इस संसार में कोई नहीं है .. क्योंकि तुम प्रभु पालना में पलते हो*"

सोचो कौन सी पालना ? ....

" सवेरे स्वयं भगवान तुम्हें जगाते है .. फिर पढ़ाने आते है .. ब्रह्मा भोजन खिलाते है .. रात को सुलाने आते है "

और कहाँ .... " *दिन में अगर कोई बच्चा दुःखों में आँसु बहाये तो आकर उसके आँसु पोछते है "*

और कहाँ .... अगर दुनिया वाले यह सब सुने तो कहेंगे .. ' भगवान इनके लिए खाली बैठा है क्या? '

बाबा ने उत्तर दिया .... " तो तुम उन्हें बता दो इस समय भगवान हमारे लिए खाली ही बैठा है .. वो हमारा साथी है .. हमारा गुड फ्रेन्ड है .. हम उससे कुछ भी शेयर कर सकते है .. जब चाहे उससे बात कर सकते है .. वो सदा हमें मदद देने के लिए तैयार है "

भगवान का साथ मिला! सोचा तो इतना था कि ...

" उनके दर्शन हो जाये .. पर वो आये .. हमारे हो गये .. और साथी बन गये "

इतना बड़ा भाग्य हमें निरन्तर खुशी प्रदान करता रहेगा। तो बाबा हमारे लिए खाली बैठा है।

सोचो भगवान हमारे लिए खाली हो, तो हमें उसका यूज़ कैसे कर लेना चाहिए?

अपने सदविवेक का प्रयोग करे ... " खाली है भगवान हमें मदद करने के लिए सदा .. केवल बुद्धि का टेलिफोन मिला दे .. और उसके मदद प्राप्त करने लगे .. इस अधिकार का पूरी तरह फायदा उठाये "

तो आज सारा दिन हर घन्टे ....

बापदादा को अपने पास बुलायेंगे .. निमन्त्रण देंगे ..

" बाबा अपना धाम छोड़कर हमारे पास आ जाओ "

प्यार से बुलायेंगे और देखेंगे ... " *दोनो आ गये हमारे सामने .. और अपना वरदानी हाथ मेरे सिर पर रख दिये है "*

हर घन्टे में एकबार बाबा को अवश्य बुलायेंगे ..

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org